प्रादेशिक समाचार
01.04.2025 (दोपहर–1455 बजे)

पूरे राज्य में राजकीय प्रकृति पर्व सरहूल धूमधाम से मनाया जा रहा है। राजधानी रांची में सरहूल की भव्य शोभायात्रा निकाली जा रही है। इसमें विभिन्न आदिवासी समाज और अन्य संगठनों के लोग हजारों लोग शामिल हो रहे हैं।
शोभायात्रा में आदिवासी संस्कृति और परंपरा की खास झलक देखने को मिल रही है। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्यवासियों को सरहूल की बधाई दी है।
इस बीच मुख्यमंत्री श्री सोरेन आज प्रकृति पर्व सरहुल के पावन अवसर पर रांची के सिरमटोली स्थित सरना स्थल में आयोजित पूजन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। उन्होंने यहां पारंपरिक विधि –विधान से पूजा– अर्चना कर राज्य के सर्वांगीण विकास, सुख, समृद्धि और शांति की कामना की।

****

इस बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सरहुल पर्व पर झारखंड में दो दिवसीय राजकीय अवकाश घोषित किया है। श्री सोरेन ने एक्स पर पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी। श्री सोरेन ने लिखा है कि पिछले कई वर्षों से सरहुल के अवसर पर दो दिन के राजकीय अवकाश की मांग उठ रही थी। आदिवासी समाज के इस महा पर्व के महत्व को देखते हुए इस वर्ष से दो दिन का राजकीय अवकाश घोषित किया जाता है।

****

इधर, राज्य के आदिवासी कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने राज्यवासियों को सरहुल की बधाई दी है। उन्होंने सरहुल पर्व के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

****

उधर, पश्चिमी सिंहभूम जिला मुख्यालय चाईबासा स्थित पुलिस केंद्र में सरहुल पूजा महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें उपायुक्त कुलदीप चौधरी, पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर, चाईबासा एसडीओ संदीप अनुराग टोपनो, एसडीपीओ बहामन टुटी सहित पुलिस एसोसिएशन के पदाधिकारियों और जवानों ने हिस्सा लिया। उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने सभी जिलावासियों को सरहुल की शुभकामनाएं देते हुए सौहार्दपूर्ण वातावरण में पर्व मनाने की अपील की।

****

सरहुल पर्व को मुंडारी में बाहा परब भी कहा जाता है। गढवा जिले में यह पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। पुलिस लाइन में आयोजित सरहुल पूजा में उपस्थित एसपी दीपक कुमार पांडेय, एसडीओ संजय कुमार सहित कई पदाधिकारियों ने प्रकृति की पूजा की। एसपी दीपक कुमार पांडेय ने सरहुल पूजा पर जिलेवासियों को बधाई देते हुए सरहुल पर्व से प्रेरणा लेते हुए प्रकृति को संरक्षित करने की अपील की।

****

झारखंड में कोयला लोड मालगाड़ियों की आमने–सामने की टक्कर में 2 ड्राइवर जिंदा जल गये। एक ड्राइवर समेत 5 लोग घायल हुए हैं। घटना साहिबगंज जिले के बरहेट के सोनाजोड़ी के समीप हुई है। इस बीच पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क पदाधिकारी ने बताया कि एमजीआर रेलवे लाइन एनटीपीसी के अधीन है। इस घटना से रेलवे का कोई लेना–देना नहीं है। इधर, एनटीपीसी फरक्का के एजीएम शांतनु कुमार दास ने बताया कि मेन लाइन पर जिस ट्रेन को आना था, वहां से मानवीय भूल के कारण इंजन ट्रैक नहीं बदल सका।

****

हजारीबाग जिले के ग्रामीण इलाकों में इन दिनों जंगल में आग की लगने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं।

****

कोडरमा जिले के छतरबर गांव में यज्ञ के लिए भिक्षा मांगने निकली महिलाओं पर पत्थरबाजी की गई है। इस पत्थरबाजी के बाद इलाके में तनाव बना हुआ है। पुलिस पूरे गांव में सर्च अभियान चला रही है। ड्रोन कैमरे से सभी घरों के ऊपर निगरानी की जा रही है। अभी स्थिति नियंत्रण में है।

**********समाप्त**********